खसरा और रूबैला

टीकाकरण अभियान

प्रमाण पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है

कि ______ वर्षीय

____

को खसरा एवं रुबैला रोगों के प्रति

एम.आर. अभियान के दौरान

दिनांक ________________

स्थान ____________________________ पर

सफलता पूर्वक टीकाकृत किया जा चुका है।

खसरे को खत्म करने तथा
रुबैला पर नियंत्रण के लिए
हमारा देश कृतसंकल्प है

अपने बच्चे का

unicef for every child

World Health Organization

ए.एन.एम. के रिकार्ड हेतु

खसरा और रूबैला टीकाकरण अभियान

बच्चे का नाम ________________________________

आयु __________ टीकाकरण की तिथि ______________

मोबाइल ☐☐☐☐☐☐☐☐☐☐

स्थान ________________________________

Scanned by CamScanner

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय
भारत सरकार

खसरा और रूबैला
टीकाकरण अभियान

एम.आर. सूचना कार्ड

प्रिय अभिभावक,

एक राष्ट्रव्यापी अभियान के अन्तर्गत खसरा तथा रुबैला के प्रति सुरक्षा प्रदान करने के लिए खसरा–रुबैला (एम.आर.) का एक टीका स्कूलों तथा आउटरीच सत्रों में आरम्भ किया जाएगा। इस एम.आर. टीके को बाद में नियमित टीकाकरण में शामिल कर लिया जाएगा। यह महत्वपूर्ण है कि इस अभियान के अन्तर्गत 9 माह से 15 वर्ष तक के आयु वर्ग के बच्चों को यह टीका लगाया जाएगा, भले ही पहले उन्हें एम.आर/एम.एम.आर. का टीका दिया जा चुका हो।

मूल कारण : खसरा रोग के संक्रमण तथा रुबैला को नियंत्रित करने के लिए 9 माह से 15 वर्ष तक के बच्चों को यह टीका दिया जाना आवश्यक है।

खसरा :

खसरा एक जानलेवा रोग है जोकि वायरस द्वारा फैलता है। बच्चों में खसरे के कारण विकलांगता तथा असमय मृत्यु हो सकती है।

रुबैला :

रुबैला एक संक्रामक रोग है जो वायरस द्वारा फैलता है। इसके लक्षण खसरा रोग जैसे होते हैं। यह लड़के या लड़की – दोनों को संक्रमित कर सकता है। यदि कोई महिला गर्भावस्था के शुरुआती चरण में इससे संक्रमित हो जाए तो कंजेनिटल रुबैला सिंड्रोम (सी.आर.एस) हो सकता है जोकि उसके भ्रूण तथा नवजात शिशु के लिए घातक सिद्ध हो सकता है।

याद रखने योग्य बातें

- इस अभियान के दौरान यह टीका 9 माह से 15 वर्ष तक की उम्र के सभी बच्चों को ज़रूर लगवाया जाना चाहिए
- इसे सभी स्कूलों, सामुदायिक सत्रों, आँगनवाड़ी केन्द्रों और सरकारी स्वास्थ्य केन्द्रों पर लगाया जाएगा
- यदि किसी बच्चे को एम.आर/एम.एम.आर. का टीका पहले से लगाया जा चुका हो तो उसे भी यह टीका लगवाएँ
- खसरा–रुबैला का टीका पूर्ण रूप से सुरक्षित है एवं इसके कोई दुष्प्रभाव नहीं होते
- बच्चों को यह टीका एक प्रशिक्षित स्वास्थ्य कर्मी द्वारा लगाया जाएगा
- इस सामूहिक अभियान में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें

खसरे को खत्म करने तथा रुबैला पर नियंत्रण के लिए हमारा देश कृतसंकल्प है

कृपया अपने 9 माह से 15 वर्ष तक की उम्र के बच्चों को खसरा–रुबैला टीकाकरण हेतु अभियान स्थल पर लेकर आएँ

टीकाकरण की अधिक जानकारी के लिए अपने ए.एन.एम., आशा एवं आँगनवाड़ी कार्यकर्त्री से संपर्क करें
या mrcampaignindia@gmail.com पर ई-मेल करें

Scanned by CamScanner

खसरा रोग

- खसरा एक जानलेवा बीमारी है और बच्चों में अपंगता और मृत्यु के बड़े कारणों में से एक है।
- खसरा बहुत संक्रामक रोग है और यह एक प्रभावित व्यक्ति द्वारा खांसने और छींकने से फैलता है।
- खसरा आपके बच्चे को निमोनिया, दस्त, और दिमागी संक्रमण जैसी जीवन के लिए घातक जटिलताओं के प्रति संवेदनशील बना सकता है।
- खसरा के आम लक्षण इस प्रकार हैं – तेज बुखार के साथ त्वचा पर दिखाई पड़ने वाले लाल चकत्ते, खासी, बहती नाक और लाल आँखें।

रूबैला रोग

- अगर स्त्री को गर्भावस्था के आरंभ में रूबैला संक्रमण होता है तो सी.आर.एस. (जन्मजात रूबैला सिंड्रोम) विकसित हो सकता है, जो भ्रूण और नवजात शिशुओं के लिए गंभीर और घातक साबित हो सकता है। प्रारंभिक गर्भावस्था के दौरान रूबैला से संक्रमित माता से जन्मे बच्चे में दीर्घकालिन जन्मजात विसंगतियों से पीडित होने की सभावनाए बढ़ जाती है जिससे आँख (ग्लूकोमा, मोतियाबिंद), कान (बहरापन), मस्तिष्क (माइक्रोसिफेली, मानसिक मंदता) प्रभावित होते है तथा दिल की बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है।
- रूबैला से गर्भवती स्त्री में गर्भपात, अकाल प्रसव, और मृत प्रसव की संभावनाएं बढ़ जाती।

याद रखें :

- यदि आपका बच्चा 9 माह से 15 साल की उम्र का हो, तो उसे टीका लगवाना चाहिए
- आपके बच्चे को यह टीका तब भी लगवाना चाहिए यदि उसे पहले एमआर / एमएमआर का टीका लग चुका हो, या उसे इन दोनों में से कोई बीमारी हो चुकी हो
- खसरा और रूबैला से जुड़े जानलेवा परिणामों, जैसे निमोनिया, दस्त, दिमागी बुखार से बचाव के लिए टीकाकरण ही एकमात्र बचाव है
- खसरा-रूबैला का टीका सभी टीकाकरण सत्र और सभी सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों पर मुफ्त लगाया जाता है
- जब भी आप अपने बच्चे का टीकाकरण कराने जाएं, तब टीकाकरण / माँ एवं शिशु सुरक्षा कार्ड साथ ले जाएं
- अधिक जानकारी के लिए अपने गांव की एएनएम / आशा / आंगनवाड़ी बहनजी से संपर्क करें

unicef for every child | World Health Organization

भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय हेतु यूनिसेफ़ द्वारा विकसित किया गया

खसरा और रूबैला टीकाकरण अभियान

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय
भारत सरकार

भारत को खसरा-रूबैला से मुक्त करना आपके हाथ में है

अपने क्षेत्र में खसरा-रूबैला टीकाकरण अभियान सफल बनाने में आपकी भूमिका

- खसरा-रूबैला (एमआर) टीकाकरण अभियान के लिए आयोजित की जा रही प्रशिक्षण और परिचय बैठकों में भाग लें और अपनी भूमिका जानें
- समुदाय को इकट्ठा करने के लिए एएनएम और अन्य स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के साथ मिल कर संपर्क करने की योजना बनाएं और उसका पालन करें
- बच्चों को टीका लगवाने के लिए माता-पिता को प्रोत्साहित करने के लिए समुदाय के नेताओं को साथ लेकर जाएं
- अभिभावकों से संपर्क में रहने के लिए अभियान की तिथि से 2-3 दिन पहले ही हर घर जाकर सूचना दें
- सभी माता-पिता को निमंत्रण पत्र दें और टीकाकरण की तिथि व स्थान बताएं। हर संभव मुलाकात और हर बार घर जाकर मिलने पर माता-पिता और परिवारों को खसरा-रूबैला टीकाकरण का महत्व समझाएं
- सत्र के स्थान पर टीका लगवाने के लिए अपने 9 माह से 15 साल की उम्र के बच्चों को साथ लेकर आने के लिए सभी अभिभावकों को याद दिलाएं और उनके सवालों का जवाब देने के लिए तैयार रहें
- यह जानकारी रखें कि यदि कोई परिवार इस सत्र में टीका न लगवा पाए, तो उसे कहां जाना होगा
- माता पिता को सम्पूर्ण टीकाकरण कराने के लिए प्रेरित करें व अपना टीकाकरण कार्ड सुरक्षित रखने के लिए भी कहें
- एईएफआई प्रबंध प्रोटोकोल के बारे में पूरी जानकारी रखें और एईएफआई के दौरान माता-पिता व परिवार के सदस्यों और समुदाय के नेताओं को हर संभव सहायता उपलब्ध कराएं

Scanned by CamScanner